परमाणु ऊर्जा केन्द्रीय विद्यालय क्रमांक- 5

अणुशक्तिनगर, मुंबई

सत्र – 2025-2026

कक्षा – 7 (सातवीं)

विषय –हिंदी (द्वितीय भाषा)

खंड – क

प्रश्न1. निम्नलिखित अपठित गद्यांश को पढ़कर नीचे लिखे प्रश्नों के उत्तर दीजिए:–

उन्नीसवीं शताब्दी में यह राष्ट्रीय जागरण संपूर्ण भारत में किसी-न-किसी रूप में अभिव्यक्त हो रहा था, जिसमें भारतीयता के साथ आधुनिकता का संगम था। स्वामी विवेकानंद ने तो अमेरिका, इंग्लैंड आदि देशों से भारत लौटकर पूर्व और पश्चिम के श्रेष्ठ तत्वों के सम्मेलन से भारत को आधुनिक बनाने का स्वप्न देखा था। उन्होंने माना कि भारत और पश्चिम की मूल गति एवं उद्देश्य भिन्न हैं, परंतु भारत को जागना होगा, कुसंस्कारों एवं जाति-विद्वेष को त्यागना होगा, शिक्षित होकर देश की अशिक्षित, गरीब जनता को ही 'दरिद्रनारायण' मानकर उनकी सेवा करनी होगी, उनका उत्थान करना होगा। विवेकानंद का मत था कि भारत में जो जितना दरिद्र है, वह उतना ही साधु है। यहाँ गरीबी अपराध एवं पाप नहीं है तथा दरिद्रों की अपेक्षा धनियों को अधिक प्रकाश की जरूरत है। वे चाहते थे कि हम अछूत अज्ञानी, दरिद्र-सभी को भाई मानें और गर्व से कहें- हम सब भाई भारतवासी हैं। मनुष्य को मानव बनाना, आदमी को इंसान बनाना आवश्यक है। हमें ऐसी शिक्षा चाहिए जो हमें संस्कारी मानव, हमदर्द इंसान बना सके।

(**क**) किस सदी में संपूर्ण भारत में राष्ट्रीय जागरण अभिव्यक्त हो रहा था?

(i) अठारहवीं सदी में (ii) इक्कीसवीं सदी में

(iii) बीसवीं सदी में (iv) उन्नीसवीं सदी में

(**ख**) विवेकानंद के अनुसार भारतीयों को कैसी शिक्षा की जरूरत है?

(i) अंग्रेजी पढ़ाने वाली (ii) भारतीय भाषाओं को बढ़ावा नहीं देने वाली

(iii)हमें संस्कारी मानव, हमदर्द इंसान बना सके (iv) कोई नहीं

(**ग**) विवेकानंद के अनुसार किसे अधिक प्रकाश की ज़रूरत है?

(i) पानी (ii) सामंतों

(iii) धनिकों (iv) कोई नहीं

(घ)' पश्चिम' का विशेषण बताइए ।

(i) पश्चिमी (ii) पूर्व

(iii) पश्च (iv) कोई नहीं

(ड)'अंधकार ' शब्द का विलोम शब्द क्या है?

(i) प्रकाश (ii) देश

(iii) गरीब (iv) विदेश

(च) उपर्युक्त गद्यांश का उपयुक्त शीर्षक सुझाइए -

(i) स्वामी विवेकानंद का भारत (ii) समय और मनुष्य

(iii) विद्यार्थी और समय (iv) विकास की सोच

खंड – ख

प्रश्न . नीचे दिए गए विशेषण और विशेष्य (संज्ञा) का मिलान कीजिए –(2)

विशेषण	**विशेष्य**
मूसलाधार	जंगल
चंचल	वर्षा
समतल	नदियाँ
घना	आँगन

समाप्त